CBSE Class 6 Maths Notes Chapter 5 प्रारंभिक आकारों को समझना

→ एक रेखाखण्ड एक रेखा का एक निश्चित भाग होता है।

→ एक रेखाखण्ड के दोनों अन्त बिन्दुओं के बीच की दूरी उसकी लम्बाई कहलाती है।

→ दो किरण, जो एक ही शीर्ष से प्रारम्भ हों, से बनी आकृति कोण है। घड़ी की सुई का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना कोण का एक अच्छा उदाहरण है।

→ सुई का 1 पूरा चक्कर 1 घूर्णन कहलाता है। यह एक सम्पूर्ण कोण कहलाता है। सुई का 1414 घूर्णन समकोण तथा 1212 घूर्णन ऋजुकोण होता है।

→ कोण की मापन इकाई अंश (डिग्री) है। कोण मापने के लिए चाँदे का प्रयोग
किया जाता है। समकोण की माप 90° और ऋजुकोण की माप 180° होती है।
एक कोण जिसकी माप समकोण से कम हो, न्यूनकोण कहलाता है और
जिसकी माप समकोण से अधिक और ऋजुकोण से कम हो अधिक कोण कहलाता है। एक ऋजुकोण से बड़ा और सम्पूर्ण कोण से छोटा कोण प्रतिवर्ती कोण कहलाता है।

→ दो प्रतिच्छेदी रेखाएँ परस्पर लम्ब कहलाती हैं, यदि उनके बीच का कोण 90° हो।

→ एक रेखाखण्ड का लम्ब समद्विभाजक उस रेखाखण्ड पर लम्ब होता है और उसे दो बराबर भागों में विभाजित करता है।

→ कोणों तथा भुजाओं की लम्बाइयों के आधार पर त्रिभुजों को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाता है

- जिस त्रिभुज का प्रत्येक कोण न्यूनकोण हो, वह न्यूनकोण त्रिभुज कहलाता है।
- जिस त्रिभुज का एक कोण समकोण हो, उसे समकोण त्रिभुज कहते हैं।
- जिस त्रिभुज का एक कोण अधिककोण हो, उसे अधिककोण त्रिभुज कहते हैं।
- जिस त्रिभुज की भुजाएँ असमान हों, उसे विषमबाहु त्रिभुज कहते हैं |
- जिस त्रिभुज की दो भुजाएँ समान हों, उसे समद्विबाहु त्रिभुज कहते हैं।
- जिस त्रिभुज की तीनों भुजाएँ बराबर हों, उसे समबाहु त्रिभुज कहते हैं।

→ भुजाओं की संख्या के आधार पर बहुभुजों के नाम

भुजाओं की संख्या	बहुभुज का नाम
(i) 3 भुजाएँ	त्रिभुज

(ii) 4 भुजाएँ	चतुर्भुज
(iii) 5 भुजाएँ	पंचभुज
(iv) 6 भुजाएँ	षड्भुज
(v) 8 भुजाएँ	अष्टभुज

→ गुणों के आधार पर चतुर्भुजों का वर्गीकरण

गुण	चतुर्भुज का नाम
(i) समांतर रेखाओं के दो युग्म	समांतर चतुर्भुज
(ii) 4 समकोण वाला समांतर चतुर्भुज	आयत
(iii) 4 बराबर भुजाओं वाला समांतर चतुर्भुज	समचतुर्भुज
(iv) 4 समकोण वाला संमचतुर्भुज	वर्ग

https://www.evidyarthi.in/